सेवा पथिक

त्रैमासिक पत्रिका

भैयाजी दाणी सेवा न्यास

मालवा प्रान्त का मुखपत्र

वर्ष प्रतिपदा विक्रम सवंत् 2074

अप्रैल–मई 2017 अंक

संपादक

ताराचंद लखवानी

उज्जैन (म.प्र.)

मो. : 94066-80303

संपादकीय कार्यालय

'आराधना', 16/1, सरदारपुरा,

देवासगेट, उज्जैन (म.प्र.)

दूरभाष : 0734-2561105

E-mail : sewapathikmalwa@gmail.com

प्रकाशक

भैयाजी दाणी सेवा न्यास

'अर्चना' 76, रामबाग, इंदौर

दूरभाष : 0731 - 2548483

E-mail : sewapathikmalwa@gmail.com

वार्षिक शुल्क : 60/-

मुद्रक

मुद्रांकण ऑफसेट

11-सी पोलोग्राउण्ड, इन्दौर

सम्पादकीय...

प.पू.सरसंघचालक मा. मोहन राव जी भागवत ने कहा है, ''सेवाधर्म को सहजता से अपने स्वभाव का अंग बनाकर आचरण करते हुए ही परम वैभव सम्पन्न राष्ट्र के स्वप्न को साकार करने वाला संगठित समाज गढ़ने का काम सभी स्वयंसेवको तथा राष्ट्रभक्त सेवा भावी नागरिक ही कर पायेंगे।'' इसी भाव कों ध्यान मे रखते हुए स्वयंसेवको व कार्यकर्ताओ में शरीरिक व बौद्विक विकास के साथ ही सामाजिक संवेदना , विनम्र व निरपेक्ष सेवाभाव ,सर्वव्यापी आत्मीयता, समर्पण जैसे अनेकानेक सदगुणो के विकास के लिये मई–जून में संघ शिक्षा वर्ग व सेवा भारती द्वारा व्यक्तित्व विकास वर्ग व निवेदिता किशारी विकास वर्ग का आयोजन शारीरिक बौद्विक व व्यक्तित्व विकास के लिये किया जाता है। जिसमें स्वयंसेवक तथा कार्यकर्ता घर परिवार छोड़कर वहाँ के अनुशासन व कठोर दिनचर्या का पालन करते है। साधना उपरान्त अपनापन व आत्मीयता व समर्पण भाव से समाज के बीच जाकर संस्कार, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वालंबन, सामाजिक आदि सेवाकार्य पिछड़ी व वंचित सेवाबस्तीयों में कर रहे हैं। जिससे समाज का प्रत्येक वर्ग स्वस्थ,संस्कारी, सुसम्पन्न, समरस और स्वावलंबी हों।

स्वयंसेवकों और सेवा भारती द्वारा पर्यावरण की सुरक्षा हेतु पूरे मालवा प्रांत में पौधारोपण के कार्यक्रम समाजजन के सहयोग से कराये गये।

आज सेवा भारती के प्रकल्पों व सेवा कार्य से प्रभावित होकर समाजजन स्वयं आगे आकर अपनी निष्क्रियता एवं उदासीनता को त्यागकर अपना महत्वपूर्ण समय विविध सेवाकार्य से जुड़कर दे रहे है।

गुरू पूर्णिमा के इस पावन उत्सव पर हम हमारे गुरू परम् पवित्र भगवा ध्वज के समक्ष तन–मन–धन का समर्पण कर, संघ व सेवा भारती के इस सेवा पथ पर चलकर राष्ट्र को परम वैभव पर ले जाने के स्वप्न को साकार करें।

भेदभाव की सब दीवारें, एक–एक कर टुटेंगी।

मधुर प्रेम की रस धाराएँ , हृदय हृदय से फुटेगीं।

संपादक मण्डल

व्यक्तित्व विकास वर्ग, सेवा भारती, इन्दौर

श्री गौतम शर्मा, इंदौर

सेवा भारती इन्दौर महानगर द्वारा 07 मई से 14 मई 2017 तक कक्षा 8 वीं, 9 वीं, एवं 10 वीं के बच्चों का व्यक्तित्व विकास वर्ग सम्पन्न हुआ, अपने महानगर में चलने वाले सेवा प्रकल्पों के माध्यम से प्रत्येक बस्ती से 2–2 विद्यार्थियों का चयन एक माह पूर्व किया गया, जिसमें कुल 45 शिक्षार्थी इस वर्ग में रहे। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि श्री आनन्द जी गोधा, विशेष अतिथि श्री सुभाष जी गोधा, तथा वक्ता श्री रूपसिंह जी नागर प्रांत संगठन मंत्री उपस्थित रहे व अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष श्री संतोष जी साबू ने की।

इस वर्ष शिक्षा को ध्यान मे रखते हुए, शिक्षा सत्र विशेष रूप से लगाये जिसमें गणित, अंग्रेजी एवं विज्ञान विषय की कक्षानुसार अध्ययन करवाया गया। दिनचर्या में प्रातः 5 बजे जागरण व प्रार्थना, कक्षा अनुसार 12 बजे तक शिक्षण सत्र, भोजन उपरान्त चर्चा सत्र जिसमें व्यक्तित्व विकास कैसे हो, व्यवस्था कौशल, मेरा घर/व्यावहारिकता, सेवा भारती व संघ परिचय तथा उद्देश्य, हमारी परम्पराओं का आधार, हमारे महापुरूष, अनुशासन का महत्व आदि विषय चर्चा के माध्यम से बताये तथा रात्रिकालीन सत्र में स्वच्छ भारत, अंताक्षरी, नुक्कड़ नाटक, तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता, सेवा कार्यों के चल चित्र, आदर्श जन्मदिन आदि का मंचन किया तथा प्रातः शारीरिक खेल, व्यायाम योग, आसन, कराटे, सूर्यनमस्कार, समता, बौद्धिक व शारीरिक विकास के अनेकों कार्यक्रम सम्पन्न हुए। इसके साथ ही कार्यशाला में मिट्टी के गणेश का महत्व व मिट्टी के गणेश बनाने का प्रशिक्षण दिया गया ताकि कार्यक्षेत्र में जाकर मिट्टी के गणेश बनाने व पार्थिव श्री गणेश की स्थापना के लिए समाज को प्रेरित कर सकें। इस वर्ग का संचालन 8 कार्यकर्ताओं की टोली द्वारा किया गया। एक दिन अपने परिवार के साथ अपने घर से भोजन बनाकर मातृहस्त भोजन करवाया गया जिसमें 16 परिवार उपस्थित हुए।

सभी शिक्षार्थीयों ने संकल्प लिया कि वर्ग से जाने के पश्चात अपनी बस्ती में 20–20 बच्चों को एकत्रित कर प्रतिदिन 2 घण्टों के लिए जो वर्ग से ग्रहण किया है या सीखा है, उसको सिखायेंगे तथा प्रत्येक रविवार को 2 घण्टे के लिए बालगोकुलम् केन्द्र का संचालन भी करेंगे।

समापन सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम, संचलन, सूर्यनमस्कार, आसन, नृत्य, फायरिंग पिरामिड आदि की प्रस्तुति व अमृत वचन व गीत के पश्चात अतिथि उद्बोधन, शील्ड, मेडल व प्रमाण–पत्र. प्रदान किये। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूज्य संत श्री निर्मोह सागर जी, विशेष अतिथि श्री रविजी जैन, मुख्य वक्ता श्री ब्रजेश जी त्रिपाठी, अध्यक्ष संस्था सचिव श्री रविजी भाटिया उपस्थित रहे।

अनुभव कथन

व्यक्तित्व विकास वर्ग 2017 इन्दौर

मेरा नाम शरद राजवंशी हैं, मैं कक्षा 11वीं का छात्र हूँ। पालाखेडी में रहता हूँ। जब मैं चार साल पहले व्यक्तित्व विकास वर्ग में आया तो मुझे बेस्ट केम्पर का अवार्ड मिला। अगले साल मैं वर्ग में एक शिक्षक के रूप में आया। मैंने बच्चों को सिखाया तो था ही, पर बहुत कुछ सीखा भी। इस वर्ष वर्ग में मुझे वर्ग का मुख्य शिक्षक और भगतसिंह ग्रुप का गणशिक्षक बना दिया। मेरा काम यह था कि मुझे सुबह बच्चों को उठाने से लेकर रात को बच्चों को समय पर सुलाने तक काम करना पड़ता था। बच्चे समय पर दिनचर्या का पालन करें, पद्वेश लाइन से होना, नल खुला न रहना, गण के कक्ष साफ–सुथरे होना, भोजन कुर्सियों की व्यवस्था गणों को देना, गीत सीखाना आदि मुझे देखना पड़ता था। मेरा व्यक्तित्व विकास व बुद्धि के विकास द्वारा 10वीं कक्षा की परीक्षा में 75 % अंक बनाए। सेवा भारती एक ऐसी संस्था है जो सभी को ज्ञान अनुशासन अच्छे संस्कार आदि सिखाती है।

निवेदिता बालिका विकास वर्ग

सेवा भारती , इन्दौर

श्रीमती सरिता कुन्हारे

सेवा भारती निवेदिता बालिका विकास वर्ग का 18 मई 2017 को शुभारंभ हुआ। उदघाटन सत्र मे मुख्य वक्ता मा. गोरेलाल जी बारचे, क्षेत्र सेवा प्रमुख, मुख्य अतिथि पु. श्री लक्ष्मणदास जी महाराज, अतिथि श्री निलेश जी नागर द्वारिका जिला अध्यक्ष व श्रीमती संस्कृति ऋषि दीदी ,वर्ग पालक उपस्थित रहीं।

4 दिवसीय शिविर में सभी बालिकाओ को मेहंदी लगाने, राखी बनाने, मिट्टी के गणेश जी बनाने के साथ–साथ दंड चलाने का, जुडो कराटे का प्रशिक्षण दिया गया। सभी 70 बालिकाओं का रक्त परीक्षण व हिमोग्लोबिन की जाँच की गई। करीब 17 बालिकाओं का हिमोग्लोबिन कम पाया गया, जिन्हे निःशुल्क दवाई भी वितरित की गई।

सेवा भारती निवेदिता बालिका विकास वर्ग का दिनांक 21 मई 2017 को समारोप समारोह हुआ, जिसमें सभी 70 बालिकाओं ने दंड चलाने का, योगा, गायत्री मंत्र, सुर्यनमस्कार आदि का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती वंदना चौहान (CSP) मल्हारगंज थाना इन्दौर), मुख्य वक्ता श्रीमती अमिता जैन, भोपाल (सेवा भारती उपाध्यक्ष) व कार्यक्रम की अध्यक्षता संतोष जी साबु (सेवा भारती अध्यक्ष) ने की। अतिथियो का परिचय डा. निलेश नागर(सेवा भारती द्वारिका जिला अध्यक्ष) ने किया, आभार अनिल जी परिहार ने किया। कार्यक्रम का संचालन कु. पूजा शर्मा दीदी ने किया, वर्गाधिकारी श्रीमती संस्कृति ऋषि दीदी थीं। निवेदिता प्रकल्प अधिकारी श्रीमती सरिता दीदी थीं।

शिविर की व्यवस्था सेवा भारती इन्दौर द्वारा की गई। जिसमें विशेषता यह रही कि सभी कार्यक्रम, सत्र, रोटी संग्रह, प्रशिक्षण, बौद्विक व संचालन सभी व्यवस्था बहनों द्वारा की गई सेवा भारती के सभी सदस्य परिवार सहित उपस्थित थे।

दिशा कोचिंग प्रशासनिक प्रतियोगिता परीक्षाओं का निःशुल्क प्रशिक्षण

सेवा भारती, इन्दौर

सेवा भारती, इंदौर द्वारा एम.पी.पी.एस.सी., सब इंस्पेक्टर, आरक्षक भर्ती के लिए अनुसूचित जाति, जनजाति व सामान्य वर्ग के छात्रों को निःषुल्क प्रारंभिक परीक्षा के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। तिलक पथ पर नागपुर नागरिक सहकारी बैंक के ऊपर सेवा भारती का नया कार्यालय शुरू हुआ है, जिसमें सामान्य, पिछड़ा वर्ग व कमजोर वर्ग के छात्र भी प्रशिक्षण ले रहें हैं। सेवा भारती द्वारा ''दिशा कोचिंग'' के माध्यम से इस तरह के प्रशिक्षण सत्रों (बैचों) का आयोजन गतवर्ष से किया जा रहा है, जिसमें 125 से ज्यादा छात्र प्रशिक्षण लेकर सफलता हासिल कर चुके हैं। छात्रों की सुविधा के लिए दफ्तर में एक लाइब्रेरी भी स्थापित की गई है। वर्तमान में 20 छात्र प्रशिक्षण (कोचिंग) प्राप्त कर रहे हैं।

दिशा कोचिंग का अनौपचारिक अवलोकन 19 जून 2017 को अपने प्रान्त संगठन मंत्री श्री रूपसिंह जी नागर व सहयोगी समाज बन्धु द्वारा किया और समाजजन को श्री रूपसिंह जी द्वारा प्रकल्प की जानकारी दी।

वनवासी कन्या छात्रावास, उज्जैन

विविध गतिविधियां

श्रीमती प्रीति तेलंग

प्रवेशोत्सव – सेवा भारती वनवासी कन्या छात्रावास उज्जैन में 15 जून 2017 को गुरूकुल परम्परा के अनुरूप कक्षा छटवीं में झाबुआ जिले की 13 बहनों का मंगल तिलक लगाकर, हार पहनाकर व आरती उतारकर प्रवेश कराया व बहनों द्वारा सामूहिक प्रार्थना, गीत, लोकनृत्य, नाटक के माध्यम से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई।

मेधावी विद्यार्थी सम्मान – मध्यप्रदेश शासन द्वारा, मेधावी विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत छात्रावास की 12वीं कक्षा की बहन सोनू चौहान को प्रशस्ति पत्र एवं लेपटाप हेतु 25 हजार रू. राशि प्रदानकर सम्मान किया।

दैनिक अक्षर विश्व समाचार पत्र एवं एम.आई. टी. ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट के सौजन्य से प्रतिभा समारोह 2016–17 में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 85 से अधिक प्राप्तांक प्राप्त विद्यार्थियों का विक्रम किर्ती मंदिर में माननीय कलेक्टर श्री संकेत जी भोंडवे, ऊर्जा मंत्री मा. श्री पारस जी जैन एवं अन्य उपस्थित अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया। जिसमें छात्रावास की बहन मनीषा बामनिया 92 %,चांदनी कनास्या 87 %, शशिकला खराड़ी 87 %, व रीना कवछे 87 % को प्रमाण पत्र एवं शिल्ड भेंट कर सम्मानित किया गया।

रानी लक्ष्मी बाई एवं रानी दुर्गावती बलिदान दिवस – शौर्य प्रतिमूर्ति महारानी लक्ष्मीबाई की पुण्यतिथि दिनांक 18 जून एवं रानी दूर्गावती बलिदान दिवस दिनांक 24 जून पर पुष्पांजली अर्पित कर विभिन्न खेलकूद, चित्रकला, प्रतियोगिताओं का अयोजन किया गया जिसमें बहनों द्वारा उत्साह के साथ सहभागिता की गई बहनों को महान वीरांगनाओं के जीवन के प्रेरक प्रसंग एवं मार्गदर्शक उद्‌बोधन के पश्चात सत्येन्द्रजी कटियार द्वारा फल वितरण किया गया।

योग दिवस – छात्रावास में योग दिवस के उपलक्ष्य में सूर्यनमस्कार प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें बहन पायल एवं गायत्री द्वारा सर्वाधिक आसन एवं सूर्यनमस्कार की प्रस्तुति दी। योग दिवस की जानकारी संस्था परिचय श्री सतीष जी षर्मा द्वारा दी गई एवं प्रतियोगिता का अवलोकन कर बधाई दी।

गुरू पूर्णिमा उत्सव – सेवा भारती वनवासी कन्या छात्रावास उज्जैन मे गुरूपूर्णिमा उत्सव आनंद एवं उत्साह के साथ मनाया गया। राजेशजी पाटीदार की अध्यक्षता मे श्रीमती संजना गाड़गिल, श्रीमती कीर्ति चौरसिया एवं श्रीमान गंधर्व गुरूजनों का सम्मान, शाल एवं श्रीफल भेंट कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमान वरूणजी गुप्ता एवं मुख्य वक्ता श्री मुकेश जी दिसावल द्वारा गुरूपूर्णिमा पर्व का महत्व स्पष्ट किया गया।

ग्रीष्मकालीन मार्गदर्शन – सेवा भारती मालवा प्रान्त के संगठन मंत्री श्री रूपसिंह जी नागर द्वारा बहनों को मार्ग–दर्शन देते हुए बताया कि ग्रीष्मावकाश के दौरान अपने ग्रामीण क्षेत्रों में आपका क्या योगदान हो सकता है तथा आप किस तरह से छोटे–छोटे कार्यों के माध्यम से सेवा करते हुए अपना सहयोग दे सकते हैं।

जब तक जिएं तब तक सीखें, अनुभव ही जगत सर्वश्रेष्ठ षिक्षक है।

वनवासी सशक्तिकरण केन्द्र बड़ा घोसलिया, मेघनगर, झाबुआ

श्री कैलाश अमलियार

वनवासी बालकों का व्यक्तित्व विकास वर्ग– सेवा भारती वनवासी सशक्तिकरण केन्द्र बड़ा घोसलिया, मेघनगर, झाबुआ द्वारा वनवासी समाज की नयी पीढ़ी में शिक्षा का अलख जगाने के लिये व उसकी गुणवत्ता को बढ़ाने के लिये 5 मई से 20 मई का 15 दिवसीय 6टी व 7वी उत्तीर्ण बच्चों के व्यक्तित्व विकास वर्ग का आयोजन किया गया। चयनित गाँव से 52 शिक्षार्थीयों ने भाग लिया। उनको अंग्रेजी व गणित विषयों के मुख्य सुत्रों सहित विभिन्न प्रश्नों तथा पाठ्यक्रम को पढ़ाया गया व समय समय व पर स्वास्थ्य, संस्कार, प्रतिभा संवारने हेतु डाक्टर, इंजीनियर, सामाजिक कार्यकर्ता ने मार्गदर्शन दिया। इस शिविर के माध्यम से उन शिक्षार्थियो को अपनी प्रतिभा निखारने का सुअवसर प्राप्त हुआ। शिक्षार्थियों ने अपने अनुभव कथन में कहा की केन्द्र पर सतत् ऐसे शिविरों का आयोजन होना चाहिए। समारोप कार्यक्रम में सभी शिक्षार्थियों ने शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने का संकल्प लिया।

अभिभावकों का सम्मेलन – सेवा भारती वनवासी सशक्तिकरण केन्द्र बड़ा घोसलिया में दिनांक 24 मई 2017 को छात्रावास के छात्रों के अभिभावकों का सम्मेलन किया गया। जिसमें संघ के विभाग सह शारीरिक प्रमुख श्री रूस्तम जी चरपोटा एवं सेवा भारती झाबुआ–अलिराजपूर जिला योजना प्रमुख श्री प्रेमसागर राठौर एवं सभी अभिभावकगण उपस्थित हुए। जिसमें श्री प्रेमसागर राठौर द्वारा बच्चों की पढ़ाई सुनिश्चित करने हेतु सभी अभिभावकों से संकल्प दिलाया।

पौधारोपण – वनवासी सषक्तिकरण केन्द्र, बड़ा घोसलिया, मेघनगर, झाबुआ में सामूहिक वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें अखिल भारतीय सेवा प्रमुख मा. पराग जी अभ्यंकर एवं प्रांत सेवा प्रमुख श्री स्वप्निल जी कुलकर्णी की उपस्थिति में समाजजन के सहयोग से सेवा भारती द्वारा 300 पौधे लगाये गये।

सेवा धाम छात्रावास, उदयनगर, देवास

श्री सुरेंन्द्र सेंधव

चिकित्सा एवं प्राथमिक उपचार परामर्श शिविर – सेवा भारती के सम्पर्क से एक डॉक्टरों की टीम सेवाधाम उदयनगर पर आयी। जिन्होंने प्राथमिक उपचार की सम्पूर्ण जानकारी दी, ग्राम स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वच्छता, व बारिश की किन–किन कारणों से गंभीर बीमारियाँ घर कर लेती हैं उनके बचाव व उपचार की जानकारियाँ दी। एक्सीडेन्ट व मैदान में खेलते समय फ्रेक्चर, चोंट आदि का प्राथमिक उपचार तथा दूर्घटनाओं से बचने के उपाय व तरीके बताए। जिसमें सेवाधाम के भैया व शिशु मन्दिर के भैया एवं कस्तूरबा गांधी छात्रावास की बहनों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में सेवा भारती के प्रान्त संगठन मंत्री श्री रूपसिंह जी नागर, श्री विनोद जी मोहने, प्रान्त स्वावलंबन प्रमुख व डॉक्टरों की टीम उपस्थित थी।

गुरू पूर्णिमा उत्सव – गुरू पूर्णिमा के अवसर पर सेवा धाम छात्रावास पर उदयनगर के भैयाओं द्वारा यज्ञ में आहुति देकर मंत्रोच्चार के साथ गुरू पूर्णिमा उत्सव मनाया। सेवाधाम अधीक्षक श्री सुरेंन्द्र सेंधव ने गुरू शिष्य की प्रेरक पौराणिक कथाएँ सुनाकर बालकों में त्याग व समर्पण का भाव जागृत किया।

सिलाई प्रशिक्षण – सेवाधाम पर माता व बहनों को स्वावलंबी बनाने के उद्देष्य से सिलाई प्रषिक्षण के नए सत्र का षुभारम्भ किया गया।

पौधारोपण – सेवा भारती देवास द्वारा सेवाधाम पर समाजजन के सहयोग से विशाल पौधारोपण कार्यक्रम विभाग कार्यवाह श्री कैलाष चन्द्रावत की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

प्रकल्प संचालक प्रशिक्षण वर्ग, सेवा भारती, उज्जैन संभाग

श्री रविन्द्र मालवीया

सेवा भारती, उज्जैन संभाग का प्रकल्प संचालक प्रशिक्षण वर्ग 24 जून सायं से 26 जून सायं को सम्पन्न हुआ। जिसमें उद्घाटन सत्र में श्री मुकेश जी दिसावल, उज्जैन विभाग सेवा प्रमुख द्वारा प्रशिक्षण वर्ग में शारीरिक, बौद्धिक सत्र, कार्यकर्ताओं द्वारा समाज में होने वाले सेवा कार्य पर प्रकाश डाला गया। जिसके द्वारा बस्ती मे चलने वाले सेवाकार्य सुचारू रूप से संचालित हो सके। इसप्रकार के विषयों में मार्गदर्शन श्री रूपसिंह जी नागर, मालवा प्रांत संगठन मंत्री, श्री विनोद जी मोहने, उज्जैन संभाग संगठन मंत्री एवं श्री प्रेमसागर जी राठौर शाजापुर विभाग संगठन मंत्री आदि का सानिध्य प्राप्त हुआ।

प्रशिक्षण वर्ग में उज्जैन संभाग के कुल 92 प्रकल्प संचालकों ने तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस वर्ग के समापन सत्र में मार्गदर्शन श्री स्वप्निल जी कुलकर्णी प्रांत सेवा प्रमुख रा.स्व.संघ व श्री विनय जी दीक्षित उज्जैन विभाग प्रचारक का सानिध्य प्राप्त हुआ। प्रबन्ध व्यवस्था श्री रवीन्द्र जी सोनी, सेवा भारती समिति सदस्य द्वारा की गई।

प्रकल्प संचालकों का आवासीय प्रशिक्षण वर्ग सेवा भारती, इंदौर

श्री गौतम शर्मा

सेवा भारती इंदौर, महानगर में चलने वाले सेवा प्रकल्पों के संचालकों का तीन दिवसीय प्रषिक्षण वर्ग दिनांक 24 से 26 जून को सरस्वती शिशु मंदिर, तिलक नगर में सम्पन्न हुआ। वर्ग का विधिवत् उद्घाटन श्री स्वप्निल जी कुलकर्णी प्रान्त सेवा प्रमुख द्वारा किया गया। तत्पश्चात् आयामशः प्रशिक्षण सत्रों का संचालन किया, जिसमें शिक्षा, संस्कार, स्वावलम्बन से संबंधित विषयों का विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। वर्ग में कुल उपस्थिति 35 थी।

वर्ग की व्यवस्था जगन्नाथ जिला समिति द्वारा की गई है। वर्ग का समारोप श्री गोपाल जी, विभाग सेवा प्रमुख के उद्बोधन से हुआ। वर्ग प्रबंधन श्री गौतम जी शर्मा, व्यवस्थापक श्री आशीष जी दुतारे, बौद्धिक प्रमुख श्री रणजीत जी परमार एवं शारीरिक प्रमुख श्री कमलेश जी सोलंकी रहे।

सेवा भारती इंदौर, योग दिवस कार्यक्रम

सेवा भारती इंदौर द्वारा योग दिवस के निमित्त चार स्थानों पर जिलाशः योग कार्यक्रम तय किए व कार्यक्रम संचालन टोली बनाई गई तथा चारों स्थानों पर बौद्धिक हेतु वक्ता तय किए गए। द्वारिका जिले में पंचकुईया राम मन्दिर पर श्री गौतम जी षर्मा महानगर योजना प्रमुख, रामेश्वरम् जिले मे रीजनल पार्क पर श्री विनय जी कासट, जगन्नाथ जिले में आनन्दमयी मठ पर श्री रविजी भाटिया तथा बद्रिनाथ जिले में नेहरू पार्क पर श्रीमती सरिता कुन्हारे ने वक्ता के परिचय के पश्चात योग गुरू द्वारा 35 मिनिट का योगाभ्यास करवाया गया। द्वारिका जिले मे श्री बलीराम जी पटेल सह प्रान्त प्रचारक, रामेश्वरम जिले में बाबा साब नवाथे, माननीय विभाग संघ चालक, जगन्नाथ जिले में श्री शैलेन्द्र जी महाजन माननीय विभाग सह चालक तथा बद्रिनाथ जिले में गोपाल जी गोयल विभाग सेवा प्रमुख तथा प्रत्येक कार्यक्रम में स्वयंसेवक, समिति सदस्य परिवार सहित व समाजजन उपस्थित रहे। चारों जिले की संख्या 555 रही तथा अपने जीवन में योग को प्रतिदिन करने का संकल्प भी दोहराया।

स्नेह भरी अनुपम शैली से, संस्कार की जोत जलायें।

राखी बनाने का प्रशिक्षण वर्ग

श्री विनोद जी मोहने

सेवा भारती उज्जैन द्वारा उज्जैन महानगर व ग्रामीण की बहनों को उज्जैन में स्वावलंबन हेतु राखी बनाने का प्रशिक्षण श्रीमती पद्मा जी ठाकुर, श्रीमती संगीता जी शर्मा ने दिया। प्रशिक्षण में श्री रवीन्द्र जी मालवीया, उज्जैन महानगर प्रमुख व श्री विनोद जी मोहने, मालवा प्रान्त स्वावलंबन प्रमुख उपस्थित थे। आपने हमारी बहनों द्वारा स्वदेशी निर्मित राखीयाँ उपयोग स्वयं करने और परिवार व समाज को भी ये ही राखीयाँ उपयोग करने के लिए प्रेरित करने के लिए कहा व चीन निर्मित राखीयों का बहिष्कार करने के लिए संकल्प लिया।

वनवासी कन्या छात्रावास उज्जैन– छात्रावास की अधीक्षिका प्रीति तेलंग द्वारा छात्रावास की बहनों को राखी बनाने का प्रशिक्षण हेतु एक कार्यशाला का आयोजन रक्षाबंधन के पूर्व किया।

सेवा भारती जिला कन्नौद में दिनांक 25 जून 2017 को राखी बनाने का प्रशिक्षण दिया, आठ गांव से 40 माताओं बहनों ने राखी बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त किया। थोक मे राखी बनाने का सामान कहाँ से प्राप्त होगा व उसका विक्रय कैसे किया जाये की जानकारी दी गई।

सक्षम– अनुभूति विज़न सेवा संस्थान, इंदौर के बहुदिव्यांग व खण्डवा के मंदबुद्धि बच्चों द्वारा राखीयों का निर्माण किया।

भजन मंडली इंदौर – सेवा भारती इंदौर, भजन मंडली नंदबाग की बहनों द्वारा बहनों को स्वावलंबी बनाने व परिवार व समाज में स्वदेषी राखीयों का उपयोग हो इस हेतु राखी बनाने का प्रषिक्षण दिया गया।

जीवन उमंग कन्या छात्रावास इंदौर – छात्रावास की अधीक्षिका द्वारा सभी बहनों को राखी बनाने का प्रषिक्षण दिया गया।

माता शबरी कन्या छात्रावास सेवाधाम खण्डवा– श्रीमती रशिम बिल्लौरे एवं श्रीमती बिना कासड़े द्वारा छात्रावास की बहनों को राखी बनाने का प्रषिक्षण दिया गया।

सेवा भारती झाबुआ– जिलें में वनवासी सशक्तिकरण केन्द्र बड़ा घोसलिया पर राखी बनाने का प्रषिक्षण सम्पन्न हुआ। जिसमें अलीरजपुर व मेघनगर के आसपास की बहनों ने प्रषिक्षण लिया और प्रषिक्षण देनेके लिए उज्जैन सेवा भारती से श्रीमती भागवंती महावर दीदी, श्रीमती लक्ष्मी बंगरिया दीदी आयीं। सेवा भारती धार विभाग के संगठन मंत्री श्री कैलाष अमलियार, श्री षैतान गिरवाल, श्री मांगलिक कटारे, स्वावलंबन व उज्जैन संभाग संगठन मंत्री श्री विनोद मोहने उपस्थित थे।

स्वावलम्बन कार्यशाला का आयोजन

सेवा भारती, मध्य भारत प्रान्त द्वारा स्वावलंबन की कार्यशाला का आयोजन भोपाल में किया गया, जिसमें महानगर में चलने वाले समूह के अध्यक्ष सचिव, कोषाध्यक्ष को समूह संचालन व बैठक में क्या–क्या करना चाहिए, इसका प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यशाला में हमें मार्ग दर्शन मिला मध्यक्षेत्र के सेवा प्रमुख मा. गोरेलाल जी बारचे, श्री राघवेन्द्र जी संगठन मंत्री मध्यभारत प्रान्त व राष्ट्रीय सेवा भारती की उपाध्यक्ष श्रीमती अमिता जी जैन, ग्वालियर से श्री सीयाराम जी, शिवपुरी से श्री मुकेश जी करन, गुना से श्री सत्येन्द्र जी शुक्ला मालवा और मध्य भारत प्रान्त स्वावलंबन प्रमुख श्री विनोद जी मोहने उपस्थित रहे।

रा.स्व. संघ सेवाकार्यों की वेबसाइट **सेवा गाथा** का शुभारम्भ

रा.स्व.संघ के सेवा विभाग के सेवाकार्यों की वेबसाईट का शुभारम्भ 9 जुलाई को रा.स्व.संघ के सर कार्यवाह मा. भैयाजी जोशी व म.प्र. के मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान के द्वारा हुआ, जिसमें मध्यभारत के प्रांत संघ चालक मा. सतीश जी पिम्पलीकर, विभाग संघ चालक अनिलजी नायडू व संघ के पदाधिकारीयों के साथ स्वयंसेवक व गणमान्य समाजजन उपस्थित थे।

रा.स्व.संघ के स्वयंसेवकों द्वारा किये जा रहे सेवाकार्यों के माध्यम से समाज में हो रहे सुखद परिवर्तनों की सच्ची कहानियाँ, संघ की सेवाकार्यों की उपलब्धियों व जानकारी लेकर यह वेबसाइट हम

श्री रूपसिंह जी नागर

सबके बीच आ रही है।

जिसे हम www.sewagatha.org पर देख सकते हैं, जिसमें कोलकाता के ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित 4 साल के बच्चे की आई आई टी इंजीनियर बनने की कहानी हो, मोहद (म.प्र.) के आईडियल विलेज बनने की कथा, स्वयंसेवकों के प्रयासों से हुए बदलाव आपदा में संघ की भूमिका, केदारघाटी में आया जलप्रलय हो या फिर पुखरायाँ में हुआ भीषण रेल हादसा जिसमें सबसे पहले व सबसे बाद तक सेवा में जुटे रहे थे स्वयंसेवक। इन सेवादूतों की सच्ची कहानियाँ वेबसाईट के सेवादूत कॉलम में मिलेंगी। वे जीवन जो स्वयं जलकर समाज को रोशन कर गए स्वयं कुष्ठ रोगी होकर भी चांपा में विशाल लैप्रेसी सेंटर बनाने वाले कात्रे गुरूजी हो या चित्रकुट में कई आईडियल विलेज डेवलप करने वाले नानाजी देशमुख इनके जीवन को जानने का मौका समर्पित जीवन कॉलम में मिलेगा। संघ के सेवाभावी रूप को जानने का एक माध्यम होगी यह सेवागाथा।

वन्दे मातरम् केन्द्र सेवा भारती इंदौर

श्री चेतन नागर

सेवा भारती इंदौर द्वारा वन्दे मातरम् कम्प्यूटर केन्द्र पर 45 भैया–बहनों का बेसिक कम्प्यूर का प्रषिक्षण पूर्ण हुआ और सभी ने परीक्षा देकर सफलता हासिल की।

संघ शिक्षा वर्ग स्वयंसेवकों द्वारा सेवा बस्ती व प्रकल्प दर्शन

श्री नंदकिशोर नागर, इंदौर

संघ शिक्षा वर्ग प्रथम वर्ष विशेष –मध्यक्षेत्र (मालवा, मध्यभारत, महाकौशल व छत्तीसगढ़) का प्रशिक्षण वर्ग बैटमा में सम्पन्न हुआ। जिसमें शारीरिक, बौद्धिक व व्यक्तित्व विकास के साथ ही स्वयंसेवकों में सेवा भाव जाग्रत करने के लिए, इंदौर महानगर के चारों जिलों की सेवाबस्तीयों व प्रकल्पों का दर्शन कार्यक्रम रखा गया। जिसमें 204 शिक्षार्थी और 20 शिक्षक चार बसों के माध्यम से पवनपुत्र बस्ती–जिला रामेश्वरम्, शांतिनगर बस्ती जिला –जगन्नाथ, निरंजनपुर बस्ती–जिला बद्रीनाथ, पंचकुईया व नंदबाग बस्ती–जिला द्वारिका में अलग–अलग स्थानों पर पहुंचकर सेवा बस्तीयों का दर्शन किया। दूसरे चरण में शिक्षार्थियों ने प्रकल्प दर्शन हेतु सेवा भारती इंदौर द्वारा संचालित कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र, बाल संस्कार केन्द्र, अभ्यासिका केन्द्र, सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र व भजन मंडली केन्द्र का अवलोकन किया व प्रकल्पों के बारे में जानकारी प्राप्त की। सायं भोजन उपरान्त स्वाध्याय कालांश में बस्ती दर्शन व प्रकल्प दर्शन के अनुभव सुनाये गयें जिसमें शिक्षार्थियों ने बताया कि पिछड़ी वंचित व नाले किनारे स्थित, सेवा बस्तीयों में सेवा भारती द्वारा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचकर सेवा कार्य करना वास्तव में सराहनीय है। संघ जो कहता है वह करता है ऐसा प्रत्यक्ष सभी ने महसूस किया।

सक्षम द्वारा दिव्यांगजन हेतु प्रकल्प व गतिविधियाँ

श्रीमती स्वाति धारे, इंदौर

सक्षम –समदृष्टि, क्षमता विकास एवं अनुसंधान मंडल (सक्षम) नागपुर में पंजीकृत एक सेवाभावी राष्ट्रीय संगठन है। विविध दिव्यांगजन का सर्वांगीण विकास एवं उन्हें राष्ट्र की प्रमुख धारा में लाने से ही सक्षम की स्थापना 20 जून 2008 में हुई। वर्तमान में सक्षम द्वारा दिव्यांग जन हेतु विविध प्रकल्प व गतिविधियाँ देशभर में चल रही हैं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, सामाजिक विकास, आग्रह एवं आंदोलन।

सक्षम सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में काम कर रहा है। इसके 300 जिलों में इकाईयाँ हैं।

सक्षम ने कार्य को गति देने के लिए दिव्यांगता के पांच विशेष क्षमता प्रकोष्ठ, दृष्टिबाधित प्रकोष्ठ, श्रवणबाधित प्रकोष्ठ (मुकबधिर), अस्थिबाधित प्रकोष्ठ, बुद्धिबाधित प्रकोष्ठ, कुष्ठ रोगी प्रकोष्ठ बनाये हैं।

कर्नियल अंधत्वमुक्त अभियान के अंतर्गत नेत्रदान जनजागरण करना साथ ही नेत्र परिक्षण शिविर लगाकर कार्निया अंधत्वजन तक पहुंचना व उसे कार्नियल अंधत्वमुक्त करना, दिव्यांग जनों के मध्य समाज की सहभागिता, दिव्यांग प्रतिभा का सम्मान एवं उन्हें समाज के समक्ष प्रस्तुत कर उनके आर्थिक नियोजन का माध्यम बनना, जनजागरण कार्यक्रमों का आयोजन, दिव्यांगजन के अधिकारों के लिए कार्य और गैर सरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर दिव्यांग जन की आवश्यकताओं का आकलन कर उन्हें साधन उपलब्ध कराना है।

सक्षम इन्दौर द्वारा दिव्यांग जन हेतु कम्प्यूटर प्रशिक्षण एवं रोजगार परामर्श केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस केन्द्र के माध्यम से दिव्यांग बंधुभगिनी रोजगार के साथ ही शासकीय योजनाओं की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक नियोजन, कागजात, संबंधी समस्याओं का निराकरण करने का भी प्रयास रहेगा।

सुखद परिणाम – सेवा भारती के माध्यम से सुनीता मंडलोई 5 वर्ष की दृष्टिबाधित बालिका सक्षम केसंपर्क में आई। सुनीता ने अपनी आँखों की रोशनी 1 वर्ष की आयु में कुपोषण एवं सुखा रोग होने से खो दी थी। डॉ. मनीषजी गुजराती (नैत्र विशेषज्ञ) ने सुनीता की आँखों की जांच की तो पाया कि उसे कार्नियल दृष्टिबाधित है और कार्निया प्रत्यारोपण द्वारा यह बालिका देख पायेगी। एक दिव्यांग किशोर की मृत्यु पश्चात् परिजनों ने उसके नैत्रदान किये जो बालिका के जीवन में रोशनी लेकर आये।

स्क्षम समाज से आव्हान करता है कि नैत्रदान महादान'' है इस ईश्वरीय कार्य मे सहयोग करे।

सेवा भारती उज्जैन द्वारा पौधारोपण

श्री रितेश सोनी

सेवा भारती उज्जैन द्वारा हरियाली अमावस्या पर नगर में विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें पौधारोपण के साथ पौधों के संरक्षण की प्रतिबद्धता दोहराई गई। इस अवसर पर सेवा भारती के कार्यकर्ता व सहयोगीजन उपस्थित थे।

सभी वृक्ष कितने उपयोगी, पत्थर मारो फल देते हैं। व्यर्थ न काटों, इन्हें बचाओ, ये सबको जीवन देते हैं।

सेवा भारती मालवा, बालिका विकास वर्ग

श्रीमती सुनिता दीक्षित

सेवा भारती इंदौर द्वारा संचालित जीवन उमंग वनवासी कन्या छात्रावास में 15 अप्रैल 2017 से 25 अप्रैल 2017 तक 10 दिवसीय वनवासी बालिका विकास वर्ग में 6 जिलों के 55 वनवासी गांव से 74 बहनों द्वारा सहभागिता की गई। सदूर वनांचलों से आई 5वीं उत्तीर्ण बहनों के मन में प्रथम दिन कईं षंकाएं, प्रष्न, अपने परिवार से दूर रहने का भाव चेहरे पर दिखाई दे रहा था और इस वर्ग के समापन पर वे प्रफुल्लित, तेजस्वी, आत्मविष्वास से भरी हुई दिखाई दे रही थी।

प्रथम दिवस उद्घाटन सत्र में श्रीमती साधना ताई की अध्यक्षता में विकास वर्ग का षुभारम्भ किया गया। मुख्य वक्ता श्री स्वप्निल जी कुलकर्णी (प्रांत सेवा प्रमुख) का मार्गदर्षन प्राप्त हुआ। वर्ग के पालक मालवा प्रान्त के संगठन मंत्री श्री रूपसिंह जी नागर थे। वर्ग में सेवा भारती कन्या छात्रावास उज्जैन की बहनों द्वारा प्रषिक्षण दिया गया। बहनों को योग, सूर्यनमस्कार, कबड्डी, खो–खो, आसन, प्राणायाम, समता, खेल, व्यायाम, योग, कला–कौषल, रांगोली, मिट्टी के गणेष, मेहन्दी, गीत, भजन, आरती, प्रातः स्मरण, भोजन मंत्र इत्यादि सीखाया गया। समापन सत्र में अखिल भारतीय सेवा प्रमुख मा. पराग जी अभ्यंकर का मार्दर्षन भी प्राप्त हुआ।

प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र

स्वास्थ्य मंदिर आगर म.प्र.

श्री जीवन बैरागी

सेवा भारती द्वारा संचालित प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग केन्द्र आगर म.प्र. स्वास्थ्य मन्दिर के नाम से अब देश–विदेश में प्रख्यात होने लगा है। यह 32 बिस्तरों वाला आवासीय चिकित्सा केन्द्र है। इसमें जैविक वाटीका, लघु गोशाला इसके प्राकृतिक स्वरूप को सार्थक करता है।

हमारा शरीर पाँच तत्वों (आकाश, वायु, जल, अग्नि, पृथ्वी) से मिलकर बना है। पंचतत्व निर्मित हमारे शरीर में किसी भी तत्व का कम या अधिक मात्रा में होने से हमारे शरीर पर विपरीत प्रभाव पड़ता है और हमारा शरीर रोगों से ग्रस्त हो जाता है। हम इन्हीं पंच तत्वों को संतुलित कर विभिन्न प्रकार के रोगों से आसानी से बच सकते हैं। हमारे द्वारा इन्ही पंच तत्वों के माध्यम से साधकों के असाध्य रोगों का इलाज किया जाता है।

अनुभव कथन

मैं रितेश सोनी सचिव सेवा भारती उज्जैन, मस्तिष्क और किडनी मे प्रोटीन लीकेज जैसी समस्याओं के चलते प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र, आगर उपचार हेतु गया। इस दौरान दूसरे दिन से ही मुझे आशाजनक परिणाम आना शुरू हो गए जिसमें मस्तिष्क संबंधी विकारों और पैरों के दर्द जैसे रोग बंद होने लग गए, मुझे यहां के उपचार का तरीका बहुत पसंद आया, जिस प्रकृति के प्रभाव को हम भूल चुके थे, उसको यहां पर जीवंत रूप में देखा। यहां चिकित्सक महोदय का प्रत्येक मरीज पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान देना, सहयोगियों द्वारा समय पूर्व तैयारी कर उपचार हेतु तैयार करना और प्रबंधकों द्वारा उचित प्रबंधन मन को छू गया इस हेतु मैं संकल्प ले कर यह वचन देता हूँ कि मैं कम से कम 10 हमारे ऐसे भाई बंधु जो एलोपैथिक के चक्कर में लुट रहे हैं तथा रोगों से मुक्ति की अभिलाषा में हैं उन्हें इस प्राकृतिक केन्द्र पर भेजूंगा।

मैं कोक सिंह पर्शिया, निवासी विद्यार्थी नगर गुना, विगत 10 वर्षों से पेट की बीमारी, गैस से पीड़ित था। मेरी पत्नी गैसे व साइटिका रोग से पीड़ित थी। जिसका उपचार एलोपैथी में करीब 10 चिकित्सकों द्वारा करवाया इसके अलावा आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक उपचार भी लिया परंतु लाभ स्थाई नहीं मिला। प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र आगर में आकर मैं और मेरी पत्नी पूर्णतः स्वस्थ हो गए हैं। स्वास्थ्य केन्द्र में प्रबंधक, चिकित्सक एवं सभी कर्मचारियों के स्नेहमय व्यवहार तथा उपचार पूरी निष्ठा व लगन से किया गया इस उत्तम आचरण के लिए मैं सभी बंधुओं का साधुवाद देता हूँ एवं संस्थान के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ व अन्य रोगियों को भी प्राकृतिक चिकित्सा के लिए प्रेरित करूंगा।

मंदसौर स्वयंसेवको द्वारा सेवाकार्य

श्री विनोद मेहता

पौधारोपण – समर्पण शाखा मंदसौर के स्वयंसेवकों द्वारा शाखा के विकीर के पश्चात केशवनगर स्थित संघ कार्यालय पर पौधारोपण का कार्य किया। मंदसौर पिपलिया मंडी नगर प्रभात शाखा के स्वयंसेवकों द्वारा गुरू पुर्णिमा उत्सव पर टीलाखेड़ा बालाजी परिसर में पौधारोपण किया।

स्वच्छता अभियान – सोमवार सेवावार के अंतर्गत मल्हारगढ़ श्मशान घाट के स्नानागार के सौंदर्यीकरण हेतु सभी स्वयंसेवकों द्वारा सेवाकार्य किया गया।

रेल्वेस्टेशन पर जल सेवा – स्वयंसेवकों द्वारा मंदसौर रेल्वे स्टेशन पर प्रतिदिन जल सेवा तीन माह तक प्रदान की।

स्वयंसेवकों द्वारा रक्तदान – 14 जून रक्तदान दिवस पर सेवा विभाग मंदसौर द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन जिला चिकित्सालय में किया गया जिसमें जिला सेवा प्रमुख श्री विनोद मेहता, नगर सेवा प्रमुख श्री अविनाश गौड़, शाखा कार्यवाह मुख्य शिक्षक व अनेकों स्वयंसेवकों द्वारा रक्तदान किया गया और समाज को भी रक्तदान के लिए प्रेरित किया।

श्री गौतम बुद्ध सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र-मंदसौर, शुभारम्भ

सेवा भारती मंदसौर द्वारा श्री गौतम बुद्ध सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का अयोध्या बस्ती मे शुभारम्भ हुआ। जिसमें अतिथि श्री गुरूचरण जी बग्घा, (विभाग सह संघचालक), श्री रवि प्रताप सिंह जी बुंदेला, श्री सत्यनारायण जी सोमानी थे, अध्यक्षता श्री पृथ्वीराजजी जायसवाल ने की। कार्यक्रम में अतिथि उद्‌बोधन के पश्चात 25 बहनों ने सिलाई सीखने के लिये पंजीयन करवाया। आभार सेवा भारती के उपाध्यक्ष श्री सूराज मलजी गर्ग ने माना।

सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र कुक्षी का शुभारम्भ

सेवा भारती कुक्षी द्वारा मातृ–शक्ति के स्वावलंबन हेतु सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का शुभारम्भ आनंद भवन में 11 जून को सेवा भारती कुक्षी के जिला अध्यक्ष श्री महेन्द्र जी गुप्ता, सदस्य श्री धनराज जी व श्री सुधीर जी जैन के द्वारा माँ भारती व सिलाई मशीन के पूजन के साथ किया गया। जहाँ पर माताओं बहनों को सिलाई का प्रशिक्षण दिया जावेगा। कार्यक्रम में नगर कुक्षी के नागरिक, सेवा भारती के कार्यकर्ता व विकासखंड समन्वयक जन अभियान परिषद कुक्षी के श्री मनीष शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन योजना प्रमुख श्री कैलाश रावत द्वारा किया गया।

संघ कार्यालय इन्दौर पर छड़ी पूजन कार्यक्रम

''यदि समाज मे अश्पृश्यता पाप नहीं तो कुछ भी पाप नहीं'' इस ध्येय मंत्र की साधना में जुटे सामाजिक समरसता विभाग के कार्यक्रमों की कडी में दि. 6 अगस्त 2017 को अर्चना संघ कार्यालय परिसर में वीर गोगादेव की छड़ी पूजन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, जिसमें इंदौर विभाग संघचालक मा. लक्ष्मणराव जी नवाथे, विभाग प्रचारक श्री विमलजी गुप्ता, सामाजिक समरसता इंदौर विभाग संयोजक श्री ईश्वरजी हिन्दुजा, सहसंयोजक श्री प्रेम जी सोनी, महापौर श्रीमती मालिनी गौड़ एवं गणमान्य समाजजन उपस्थित थे।

नीमच स्वयंसेवको द्वारा सेवाकार्य

श्री यशवंत यादव

मन्दिर की सफाई – नीमच जिले के मनासा खण्ड के रामपुरा नगर में प्रातः शाखा के विकिर के पश्चात केशव शाखा के स्वयंसेवकों ने 'कुशालपुरा में स्थित छोटे मिंडकेश्वर महादेव मंदिर पर साफ सफाई की। इस सेवाकार्य में आसपास के समाजजनों ने भी सेवाकार्य मे स्वयंसेवकों का सहयोग दिया और इस सेवा कार्य में सहभागिता देने का आश्वासन दिया। यहाँ पर सोमवार को स्वयंसेवक सेवावार के रूप में मनाते हैं और प्रत्येक सोमवार को अलग–अलग धार्मिक सामाजिक स्थान पर पहुंच कर सेवाकार्य करते हैं।

पौधारोपण – ''वृक्ष है तो जल है, जल है तो जीवन है।'' इसे हृदय में धारण कर प्रातः शाखा के पश्चात केशव शाखा के स्वयंसेवकों ने पर्यावरण की दृष्टि से रामपुरा की पहाड़ी पर पौधारोपण व नीम के पौधे की निम्बोरी का छिड़काव किया, स्वयंसेवकों के साथ समाजजन भी उपस्थित थे। सभी ने ''वृक्ष लगाओं, पुण्य क्माओ'' के संदेष को घर–घर पहुँचाने के साथ वृक्ष लगाने व बचाने का संकल्प लिया।

कोचिंग केन्द्र, ग्राम सुठवाड़िया का शुभारम्भ-सेवा भारती झाबुआ

पेटलावद सेवा भारती संकुल बामनिया द्वारा ग्राम सुठवाड़िया में अभ्यासिका केन्द्र का शुभारम्भ किया गया। जिसमें संघ के जिला शारीरिक प्रमुख श्री कैलाश जी मालिवाड़ उपस्थित हुए। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में शिक्षा का महत्व बताया और कहा कि शिक्षा के बिना जीवन पशुतुल्य सा महसुस होता है। कार्यक्रम मे सेवाभारती ग्राम समिति सुठवाडिया के सभी प्रतिनिधि तथा सदस्य उपस्थित रहे। कोचिंग केन्द्र में कक्षा 5वीं तक के भैया बहनों को स्कूल में मिलने वाले गृहकार्य व कठिन प्रश्नों को हल करवाया जाता है। सुबह तथा सायं को 1–1 घण्टे की कक्षा लगाकर अभ्यास करवाया जा रहा है।

माता शबरी कन्या छात्रावास, खण्डवा

सेवा भारती खण्डवा द्वारा माता शबरी कन्या छात्रावास की बहनों को वन विहार कार्यक्रम के अंतर्गत प्राकृतिक स्थान का भ्रमण कराया गया। छात्रावास की बहन रामदुलारी पालीवाल को स्वच्छता अभियान विषय पर स्कुल में चित्रकला बनाने पर प्रमाण पत्र और शील्ड प्राप्त हुई। छात्रावास की बहनों को रांगोली, चित्रकला आदि का 15 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया जिसमें श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली कुछ बहनों सुमन, सरस्वती, मालती चौहान, निकीता कास्डे, रामदुलारी पालीवाल, दीपाली कनाड़े को माननीय विधायक देवेन्द्र जी के द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया।

केशव सेवाधाम निःशक्त बालक सेवा आश्रम सेवा भारती, खण्डवा

श्री रविन्द्र चौहान

पौधारोपण – केशव सेवाधाम आश्रम में बच्चों द्वारा पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया व मूर्ति स्थापना, सुंदरकांड पाठ आदि कार्यक्रम सम्पन्न हुए। ध्यान पूजा, साधना के माध्यम से बच्चों में सेवा व संस्कार के भाव जागृत करने के लिए गौशाला परिसर में राधा–कृष्ण की मूर्ति की स्थापना की गई व बालकों द्वारा सुंदरकांड का पाठ किया ।

माधव सेवा न्यास, उज्जैन

श्री लखन धनगर

रक्तदान शिविर – माधव सेवा न्यास परिसर में न्यास के संस्थापक अध्यक्ष श्री अशोक जी खण्डेलवाल की स्मुति में रक्तदान शिविर का आयोजन 9 जून 2017 को सम्पन्न हुआ। न्यास के कोषाध्यक्ष श्री विजय केवलिया ने 81वीं बार रक्तदान किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मालवा प्रान्त के सहप्रांत प्रचारक श्री बलिराम जी पटेल थे। उन्होंने कहा कि समाज कल्याण के लिए किए जाने वाले कार्यों में रक्तदान भी एक महत्वपूर्ण कार्य है जो माधव सेवा न्यास कर रहा है। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री गिरीश भालेराव, श्री

किशोर खण्डेलवाल, श्री प्रदीप पाण्डेय, श्री वीपिन आर्य, डॉ. तरणताल खालसा, सचिव श्री प्रदीप अग्रवाल उपस्थित थे।

सोनी ने योग का प्रशिक्षण दिया और प्रतिदिन योग करने से जीवन में क्या लाभ होता है इसका महत्व समझाया।

कुपोषण से सुपोषण आयुर्वेदिक उपचार शिविर – 'माधव सेवा न्यास, उज्जैन व प. दीनदयाल जन्म शताब्दी के संयुक्त तत्वावधान में कुपोषण से सुपोषण का 21 दिवसीय आयुर्वेदिक उपचार शिविर दिनांक 5 जुलाई को न्यास परिसर के B-5 (फिजियोथेरेपी) हॉल में प्रारम्भ किया गया।

इस अवसर पर श्री गिरीश जी भालेराव, श्री विजय जी केवलिया क्रमशः अध्यक्ष व कोषाध्यक्ष माधव सेवा न्यास व समिति के संयोजक श्री किशोरजी खण्डेलवाल तथा अन्य समाजसेवी उपस्थित थे। इस शिविर में 50 से अधिक सूचीबद्ध कुपोषित 03 वर्ष से कम आयु वाल बच्चे अपने माता–पिता के साथ उपस्थित रहे। कार्यक्रम मे श्री किशोर जी खण्डेलवाल ने कुपोषण से सुपोषण अभियान का महत्व समझाया।

श्री गिरीश जी भालेराव ने कहा अपने बच्चों के

विश्व योग दिवस –माधव सेवा न्यास परिसर में प्रतिदिन संचालित ''बाबा साहब नातू ध्यान एवं योग केन्द्र'' पर विश्व योग दिवस का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों योगप्रेमी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केशव नगर के माननीय संघचालक श्री स्वदेश जी बिन्जु, न्यास के अध्यक्ष श्री गिरीश जी भालेराव, सदस्य श्री विपिन जी आर्य तथा योग प्रशिक्षक के रूप में श्री नन्दकिशोर जी सोनी यज्ञेगाचार्य ''श्री कृष्णा योग केन्द्र'' पिपलीनाका उज्जैन उपस्थित थे। योग प्रशिक्षक श्री

स्वास्थ्य के प्रति उदासीन अथवा ना समझी या यूँ कहना चाहिए की हमारी लापरवाही से ही कोई बच्चा कुपोषण का शिकार हो जाता है। हम उसको आवश्यक खाद्य पदार्थ नहीं खिलाते हुए अनावश्यक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बाजारू चीजें खिलातें हैं। इस कारण से वह कुपोषण जैसी जानलेवा बिमारी के शिकार हो जाते हैं। श्री विजय केवलिया ने कहा कि नियमित दिनचर्या, अनुशासन के पालन से तथा पौष्टिक आहार देने से ही बच्चा स्वस्थ और स्वच्छ रह सकता है।

बाल संस्कार केन्द्र, धार

श्री संजय अग्रवाल

सेवा भारती द्वारा संचालित बाल संस्कार केन्द, धार के व्यस्ततम चौराहे पर स्थित भोज काम्पलेक्स में शाम 7:30 से 8:30 बजे तक चलाया जाता है, जिसमें कई छात्र एवं छात्राऐं जो कि पॉलिटेक्निक कॉलेज तथा अन्य सस्थाओं से हैं, यहाँ आकर निस्वार्थ रूप से अपनी सेवाऐं देते हैं। यह बच्चे वहीं पर स्थित एक मजदूर बस्ती के हैं, ये सभी लगभग 100 परिवार झोपड़ियों में रहते हैं। यह बच्चों को जो कि शिक्षा से वंचित थे, दिनभर इधर–उधर या तो भीख मांगते थे या खुले मैदान में खेलते रहते थे, लगभग 8 माह पूर्व जब यह प्रकल्प प्रारम्भ हुआ तब से शिक्षा और संस्कार प्राप्त कर रहे हैं। उसके बाद से इन बच्चों ने आश्चर्यजनक परिवर्तन देखने में आया। यह बच्चे भोजन के पूर्व हाथ धोने लग गए, इनके माँ–बाप चाहने लग गए हैं कि बच्चे पढ़ाई करें। धीरे–धीरे सेवा भारती के माध्यम से इन बच्चों का एडमिशन स्कूलों में करा दिया जाता है। इस वर्ष 17 बच्चों का एडमिशन स्कूल में करा रहे हैं।

बाछड़ा समुदाय के युवाओं की खेल प्रतियोगिता, सेवा भारती मंदसौर

सेवा भारती मंदसौर द्वारा जिले में बाछड़ा समुदाय जो कि देह व्यापार में लिप्त है को समाज की मुख्य धारा में लाने हेतु इस समाज के युवाओं को खेल के माध्यम से जोड़कर सेवा समरसता एवं संस्कार देने के लिये 10 दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें प्रतिदिन विजेता युवाओं का सम्मान कलेक्टर महोदय, महापौर, जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिकों द्वारा किया गया जिससे इन युवाओं में स्वाभिमान का भाव जागृत हुआ और आत्मीयता महसूस की।

सेवा भारती इन्दौर, गतिविधियाँ

श्री गौतम जी शर्मा

गुरू पुजन उत्सव – रामेश्वरम् राजरानी बस्ती में गुरू पुर्णिमा के पावन अवसर पर बस्ती व सेवितों के मध्य उत्सव में पधारे ज्योतिषाचार्य तथा मुख्य वक्ता अशोक जी तावसे, पु. गुरूजी रामचरण जी चन्देल व समिति सदस्य श्री बलराम जी, जितु जी व कार्यक्रम का संचालन श्री गौतम शर्मा द्वारा किया व अतिथियों को मंगल तिलक लगाकर उत्सव मनाया।

पौधारोपण – 2 जुलाई को प्रातः 8 बजे सेवाभारती परिवार के सामूहिक एकत्रिकरण के पश्चात 20 निजी वाहनों और 8 बसों के माध्यम से आशापुरा महू पर पहुंचकर सेवा भारती समिति के सभी सदस्यों ने परिवार सहित व सेवा प्रकल्पों के सेवित सेवक व सेवीजन जिनकी संख्या 417 थी, सभी ने पौधारोपण किया। यात्रा के संयोजक श्री रवि जी भाटिया, सचिव सेवा भारती इन्दौर व मार्गदर्शन श्री गोपाल जी गोयल, विभाग सेवा प्रमुख का रहा।

''मातृछाया'' इंदौर – प.पू. जैनाचार्य भगवंत श्री शिवमुनिजी म. सा. एवं युवाचार्य 'श्री महेंन्द्र ऋषिजी म. सा. आदि संत मंडल ने इंदौर नगर प्रवेश के पूर्व 16 जून 2017 प्रातः 8 बजे सेवा भारती इंदौर द्वारा संचालित निराश्रित बच्चों के आश्रय केन्द्र ''मातृछाया'' इंदौर पधारकर केन्द्र का अवलोकन किया एवं बच्चों को मांगलिक के माध्यम से शुभाषिश प्रदान किया।

निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर

सेवा भारती–इन्दौर

श्री कमल कुन्हारे

सेवा भारती इंदौर द्वारा समाजजन के सहयोग से बैरवा समाज के मांगलिक भवन मे निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 300 लोगों द्वारा नेत्र परीक्षण करवाया। साथ ही नेत्रदान के लिए प्रेरित कर 30 लोगों से नेत्रदान के संकल्प –पत्र भरवाये गये।

पाप कटे दुःख मिटे, निकाम सेवा काज से। परम षांति सुख मिलें, परपीड़ा हरन से।

अभ्युदय कोचिंग, सेवा भारती उज्जैन

श्री चेतन मेवाड़े

सेवा भारती उज्जैन द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभावान चयनित छात्र एवं छात्राओं को विभिन्न प्रशासनिक परीक्षाओं की तैयारी अभ्युदय कोचिंग के द्वारा 19 फरवरी 2017 से करायी जा रही है, जिसमें 25 विद्यार्थी अध्ययन कर रहें है। सतत् शिक्षण और मार्गदर्शन द्वारा श्री सुनिल जी पाटीदार का नेवी की लिखित परीक्षा में और श्री धर्मेन्द्र पाटीदार का कॉलेज केम्पस द्वारा मल्टीनेशनल कम्पनी हेतु चयन हुआ है। इनके द्वारा अभ्युदय कोचिंग का नाम गौरवान्वित हुआ है।

मालवा प्रान्त प्रचारक डॉ. श्रीकांत जी ने दि. 3 अगस्त 2017 को प्रकल्प अवलोकन के अवसर पर कहा ''हमें शासकीय सेवा एवं प्रशासनिक सेवाओं में सत्यनिष्ठा, नैतिकता और कर्त्तव्यनिष्ठा सम्पन्न सेवक चाहिए। हमेशा राष्ट्र चिंतन सर्वप्रथम आना चाहिए देश को प्रशासक नहीं सेवक चाहिए, हमे राष्ट्र चरित्र सम्पन्न शासकीय सेवकों की आवश्यकता है।'' श्री ईश्वर जी चौहान (जिला सम्पर्क अधिकारी, मंदसौर) द्वारा प्रशासनिक परीक्षाओं की तैयारी कैसे और किस दिशा करें, ऐसा मार्गदर्शन विद्यार्थीयों को दिया।

उज्जैन महानगर, स्वयंसेवकों द्वारा पौधारोपण

श्री मनसुख मालवीय

महानगर के स्वयंसेवकों द्वारा पर्यावरण की सुरक्षा हेतु पौधारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत पाँचों नगरों में पौधारोपण समाजजन व माता –बहनों के सहयोग से करने की योजना बनाई। हरियाली अमावस्या 23 जुलाई 2017 को नगरषः 5 स्थानों पर पौधारोपण के कार्यक्रम सम्पन्न हुए, व इसके पष्चात सप्ताह भर बस्तीषः भी पौधारोपण के कार्यक्रम सम्पन्न हुए। पौधों की सुरक्षा व संरक्षण हेतु पौधों के उनके पालकगण तय किये गये और उन्होंने पौधों का पुजन कर पौधारोपण किया व उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया। इस प्रकार महानगर में 297 स्वयंसेवकों व 270 समाजजनों द्वारा 206 पौधे लगाये गये।

स्वयंसेवकों द्वारा गौमुत्र वितरण केन्द्र का शुभारम्भ

सेवा विभाग मधुकर नगर, उज्जैन **श्री शेखर जैन**

स्वयंसेवकों द्वारा गौमुत्र वितरण केन्द्र का शुभारम्भ कर, समाजजन के सहयोग से प्रतिदिन प्रातः 7 से 8 बजे तक ओसवाल धर्मशाला नयापुरा में गौ–मूत्र वितरण केन्द्र का संचालन किया जा रहा है। साथ ही निःशुल्क परामर्श और औषधी वितरण की व्यवस्था रखी गयी है।

गौमूत्र के उष्ण व तीक्ष्ण गुण के कारण इसे प्रातः खाली पेट सेवन से पेट के सभी रोगों व क्रमियों का नाश, भूख न लगना, पेट साफ न होना, गैस बनना, लिवर की कमजोरी, अपच, ज्वॉइंडिस, मोटापा, मिर्गी, पागलपन, पाइल्स, बवासीस, भगन्दर, किडनी स्टोन, डायबिटीज, गठिया, संधिवात, ब्लडप्रेशर, जुकाम, नजला, खांसी, बांझपन आदि अनेकों रोग स्वतः समाप्त हो जाते हैं।

स्वयंसेवकों ने रोपे 101 पौधे, ग्राम बालोदा लक्खा बड़नगर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा पौधारोपण का वृहद आयोजन ग्राम बालोदा लक्खा में किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों द्वारा नीम, पीपल, बड़, केसिया सायमा, करंच के करीब 101 पौधों को रूनिजा रोड़ आम रास्ते पर लगाये, साथ ही तालाब के किनारे हजारों स्थानों पर नीम व सीताफल के बीज रोपे गये। प्रारम्भ में ग्राम बालोदा लक्खा में संघ के जिला सह संपर्क प्रमुख श्री राजकुमार पोरवाल ने पर्यावरण पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि हमारे शास्त्रों के अनुसार नीम, पीपल, बड़ इनकी त्रिवेणी लगाकर पूजा करने का अत्यंत ही महत्व है, इस हेतु धार्मिक व पर्यावरण की दृष्टि से भी पेड़ लगाना अति महत्वपूर्ण है।

सोमवार सेवावार, मालवा प्रान्त योजना

सेवा गीत

सेवा है यज्ञ कुण्ड, समिधा सम हम जलें। ध्येय महासागर में सरित रूप हम मिलें।।
लोक योग क्षेम ही राष्ट्र अभय गान है। सेवारत व्यक्ति –व्यक्ति का ही प्राण ।।ध्रु।।

ऊँच नीचे भेद भूल एक हम सभी रहें, सहज बन्धु भाव हो राग द्वेष ना रहें,
सर्व दिक् प्रकाश हो ज्ञान दीप बाल दो, चरण शीघ्र दृढ़ बढ़े ध्येय शिखर हम चढ़े।।1।।

मुस्कराते खिल उठे मुकुल पात–पात में, लहर–लहर सम उठे हर प्रघात घात में,
स्तुति, निन्दा, लाभ–लोभ–यश विरक्ति चाव से, कर्म क्षेत्र में चले सहज स्नेह भाव से।।2।।

छीन–हीन सेवा ही परमेष्ठी अर्चना, केवल उपदेश नहीं कर्म रूप साधना,
मन वाचा कर्म से सदैव एक रूप हो, शिव सुन्दर नव समाज विश्व वंध्य हम गढ़े।।3।।
सेवा है यज्ञ कुण्ड .....

सेवा सुभाषित

तन पवित्र सेवा किए, धन पवित्र कर दान। मन पवित्र हरि भजन से, होत त्रिविध कल्याण।।

भावार्थ : शरीर की पवित्रता सेवा से, धन की पवित्रता दान से, मन की पवित्रता हरि भजन से होती है। इन तीनों प्रकार से कल्याण होता है।

सेवा अमृत वचन

निरर्थक देवताओं के पीछे मत भागो। रोगी, निराश्रित, निर्धन और दुखी जीव तुम्हारे जीवित देवता हैं। उनकी सेवा करो, यही मुक्ति का सच्चा मार्ग है। – स्वामी विवेकानन्द जी

सेवा पुरोधा–कात्रे जी

श्री सदाशिव गोविन्द कात्रेजी का जन्म दिनांक 23 नवंबर 1909 बुधवार कार्तिक शुक्ल पक्ष एकादशी के दिन अरौन, जिला गुना म.प्र. में हुआ था। सन् 1943 में सदाशिवराव जी का संबंध संघ की शाखा से हुआ, एवं प्रतिदिन नियमित शाखा प्रारंभ हो गई। रेल्वे में नौकरी करना एवं संघ कार्य करना यही सदाशिवराव जी की दिनचर्या हो गई। देश–समाज के बारे में चिंतन, हिन्दुत्व, हिन्दुराष्ट्र का स्मरण हिन्दुत्वाभिमानी युवकों से सम्पर्क ही प्रमुख कार्य हो गया। 30 जनवरी 48 को गांधीजी की हत्या का झूठा आरोप संघ पर लगाया गया और संघ कार्य करने के कारण सदाशिवराव जी भी गिरफ्तार कर लिए गए। घर से सम्पर्क टूट गया, कुछ ही समय पश्चात सांप के काटने से इनकी पत्नी की भी मृत्यु हो गई। कात्रेजी को कुष्ठरोग ने आ घेरा, कुछ दिनो तक तो परिवार में किसी को नही बताया, परन्तु रोग छुप नहीं सका, हाथ, पैर गलना प्रारंभ हो गए, परिवार, समाज व सहकर्मी सभी बहाने बनाकर दूर होने लगे। अत्यन्त आत्मीय कहे जाने वाले लोग भी घृणा की दृष्टि से देखने लगे।

इलाज के लिए छत्तीसगढ़ के मिशनरी अस्पताल मे भर्ती हुए वहाँ उन्होंने देखा कि इलाज के बहाने धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जाता है। तब अपनी शारीरिक पीड़ा भूलकर नागपूर में श्री गुरूजी से मिलने पहुंचे और कुष्ठरोगियों की सेवा के लिए मार्गदर्शन प्राप्त कर भारतीय कुष्ठ निवारण संघ चांपा के नाम से दिनांक 5 मई 1962 को एक संस्था की स्थापना की। गांव के लोगों को जोडते हुए घर–घर मुट्ठी चावल योजना अर्थात् भोजन पकाने से पूर्व मुट्ठी चावल कुष्ठ रोगियों हेतु निकालें, इस प्रकार का आह्वान किया। चावल इकट्ठा करने कात्रेजी स्वयं साईकिल से गांव –गांव जाते थे। कुष्ठ रोगियों की सेवा, ईश्वर की सेवा समझकर उनमें स्वाभिमान एवं स्वावलम्बन का भाव जाग्रत किया, जो जिस काम के योग्य है उसे उस काम में लगाना, निष्ठापूर्वक कार्य करने की प्रेरणा जगाना यही कात्रेजी के जीवन का लक्ष्य बन गया। उनका धैर्य, निःस्वार्थ भाव, निच्छल प्रेम एवं आत्मीयता ने रोगियों में ऊर्जा का संचार किया बंजर भूमि को उर्वरा बनने की प्रक्रिया में लग गये। 16 मई 1977 को जीवन भर कुष्ठ रोगियों की सेवा करने वाला यह नक्षत्र अनन्त में विलीन हो गया।

आत्म सम्मान, आत्म निर्भरता से आता है – डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम